डॉ. इलेन फिलिप्स, बाइबिल अध्ययन का परिचय, सत्र 1, ऐतिहासिक भूगोल का परिचय

© 2024 इलेन फिलिप्स और टेड हिल्डेब्रांट

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 1 है, ऐतिहासिक भूगोल का परिचय।

हम आज बाइबिल भूगोल पर अपनी इकाई शुरू कर रहे हैं और हमारे पास लगभग 12 व्याख्यान हैं जो आने वाले हैं।

जैसा कि आप देख सकते हैं, पहला परिचय होगा। तो आरंभ करने के लिए, हम कुछ ही देर में दाईं ओर उस चित्र पर आएँगे, जो बाद में दिखाई देगा। लेकिन सबसे पहले हमारे पास अपने लिए एक परिचयात्मक प्रश्न है और यह कुछ इस तरह चलता है।

यह आपको थोड़ा आश्चर्यचकित कर सकता है. यहोशू 15, मुझे यकीन नहीं है कि आप में से कितने लोगों ने हाल ही में यहोशू 15 पढ़ा है, लेकिन इसमें निम्नलिखित के लिए समर्पित 64 छंद हैं, और मैं इसका केवल एक छोटा सा हिस्सा पढ़ने जा रहा हूं ताकि आपको यह समझ आ सके कि ऐसा क्यों है यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण प्रश्न हो सकता है।

तो अब हम शुरू करें। यहोशू 15 यहूदा के गोत्र के कुलों के अनुसार एदोम की सीमा तक फैला हुआ भाग है।

उनकी दक्षिणी सीमा खाड़ी से शुरू होती है और फिर पूरी दक्षिणी सीमा का वर्णन करती है। वर्णित पूर्वी सीमा नमक सागर है। उत्तरी सीमा, लंबाई में, उत्तरी सीमा का वर्णन किया गया है।

पश्चिमी सीमा भूमध्य सागर की तटरेखा है। और फिर यह उस अध्याय के शेष भाग में चलता है, जो, जैसा कि मैंने कहा, यहूदा के गोत्र में आने वाले सभी शहरों का वर्णन और सूची बनाने के लिए काफी लंबा है। और आप स्वयं से पूछना चाहेंगे कि यह सब विवरण क्यों? भूगोलवेत्ता इसे क्यों पसंद करते हैं? खैर, सभी स्थानों के नामों के कारण उन्हें यह पसंद है, लेकिन बाइबल विद्यार्थी भी इसे पसंद कर सकते हैं।

और मुझे कम से कम दो कारण सुझाने दीजिए, और वह हमारा परिचयात्मक प्रश्न होगा और कुछ हद तक ऐतिहासिक भूगोल पर हमारी पूरी इकाई का उत्तर होगा। बस याद रखें कि जब इस्राएली इस वादा किए गए देश में आ रहे थे, तो यह बिल्कुल वैसा ही था: वादा किया हुआ देश। और परमेश्वर ने इब्राहीम से एक प्रतिज्ञा की थी।

इससे पहले कि यह एक लंबा समय हो, लेकिन यहां हम भगवान के सही समय, उनके वादे और उनकी वाचा के वादे को पूरा होते हुए देखते हैं। वे देश में आ रहे हैं, और यह कोई अस्पष्ट बात नहीं है। ये जगहें हैं.

यहूदा के गोत्र की सीमाएँ हैं। इसमें ऐसे शहर हैं जो महत्वपूर्ण हैं। जैसा कि मैंने कहा, वादा पूरा हो रहा है।

यहोशू 15 अपने लोगों के प्रति परमेश्वर की वफ़ादारी का एक बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन है। इसके अलावा, एक और चीज़ चल रही है। यह यहूदा का गोत्र है।

यह सभी प्रकार के कारणों से महत्वपूर्ण होने जा रहा है जैसा कि हम सोचते हैं, यहूदा की स्थिति और सहस्राब्दियों से चली आ रही यहूदा की रेखा। इसलिए जब हम आगे बढ़ें तो इसे ध्यान में रखें।

भूगोल अद्भुत है. अब, सबसे पहले, कुछ परिभाषाओं से शुरुआत करने की जरूरत है। इसलिए, मानचित्र को देखने से, जो हमारे पास यहां है, परिभाषाओं को थोड़ी मदद मिलेगी।

आप इसे देख सकते हैं। इसमें भूमध्य सागर और अरब रेगिस्तान है। इसके चारों ओर कुछ लाल रेखाएँ हैं।

और जब हम ऐतिहासिक भूगोल के अपने अनुशासन के बारे में सोच रहे होते हैं तो यह उस चीज़ को आकार देने वाला होता है जो हमारे लिए घटित हो रही होती है। भूगोल, सबसे पहले, सरल है, और ये बहुत ही सरल परिभाषाएँ हैं, वैसे, यह भूमि का अध्ययन है। जैसा कि भूगोल के मेरे एक शिक्षक कहा करते थे, यह खेल का बोर्ड है जिस पर ये सभी चीजें होती हैं।

यह हमारा स्थानिक आयाम है, और हम इस बारे में और भी बहुत कुछ कहेंगे कि यह सब एक पल में कैसे काम करता है। इतिहास, अगर हम इन दो विषयों के बारे में बात कर रहे हैं जो ऐतिहासिक भूगोल में एक साथ आते हैं, तो यह एक बहुत ही सरल परिभाषा है, लेकिन एक जो अभी हमारी मदद करेगी। यह घटनाओं का क्रम है.

दूसरे शब्दों में, यह हमारा लौकिक आयाम है जो चल रहा है। तो यह एक स्थानिक आयाम है, एक लौकिक आयाम है। और वे चीज़ें जो आप उस मानचित्र पर घटित होते हुए देख रहे हैं, वे वास्तव में यह दर्शाती हैं कि लोग कैसे रहते हैं, वे कैसे यात्रा करते हैं, वगैरह-वगैरह के संदर्भ में क्या होगा।

हम एक क्षण में इसके साथ और भी बहुत कुछ करेंगे। इस संबंध में कुछ प्रश्न हो सकते हैं कि भूगोल पर एक पूरी इकाई क्यों खर्च की जाए। इस ज़मीन को इतना क्यों तोड़ो? खैर, शुरुआत के लिए हम यहां आते हैं। भूगोल यह निर्धारित करता है कि हम सब कहाँ और कैसे रहते हैं।

तो आप भी इसे उतना ही अच्छे से पढ़ सकते हैं जितना मैं पढ़ सकता हूँ। भूगोल जल के अध्ययन से बना है। हमें जीने के लिए पानी की जरूरत है।

यह भूमि की स्थलाकृति से बना है, चाहे वहां पहाड़ हों, चाहे घाटियां हों, चाहे वह रेगिस्तान हो, या चाहे वह हरी घास और पेड़ों से ढका हो इत्यादि इत्यादि। यह सब प्रभावित करता है कि हम कैसे रहते हैं। यदि आप इसे यहां हमारे विशेष वातावरण में वापस लाना चाहते हैं, तो हम देखते हैं कि

यह उन लोगों की जीवनशैली है, उदाहरण के लिए, संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्वी तट, जहां भूमि समतल है, जहां बोस्टन से एक मेगालोपोलिस है, सभी वाशिंगटन, डीसी और उससे आगे तक, यह एक अलग जीवनशैली है जो उस समय उन लोगों से आकार लेती है जो उदाहरण के लिए पहाड़ों में रहते हैं, या मिडवेस्ट में रहते हैं।

और ऐसी संस्कृतियाँ भी हैं जो इससे जुड़ी हुई हैं। तो, बस दोहराने के लिए, भूगोल यह निर्धारित करता है कि हम कौन हैं और हम कैसे रहते हैं और हमारे जीवन में क्या चल रहा है। यदि हम इसे बाइबल के भूगोल में वापस लाना चाहते हैं और जो मैंने अभी कहा है उसका विस्तार से वर्णन करना चाहते हैं, तो हमें इस बात के लिए अधिक सराहना मिलेगी कि भगवान ने अपने लोगों को कहाँ रखा है।

क्योंकि निःसंदेह, यह भूमि कोई पुरानी भूमि नहीं है। और हम इसी का अन्वेषण करने जा रहे हैं। जहां भगवान ने अपने लोगों को बसाने के लिए चुना, वह विश्वास की परीक्षण भूमि बनने के संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण है।

यह एक ऐसा शब्द है जिसका मैं बार-बार उपयोग करूंगा। आप इसे स्क्रीन पर देखने जा रहे हैं। यह मेरा कार्यकाल नहीं है.

यह वास्तव में उस प्रशिक्षक द्वारा गढ़ा गया था जिसका मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, जिम मॉन्सन। और इसे भूगोल की दुनिया भर में अपनाया गया है क्योंकि यह वास्तव में है। बाइबल का भूगोल हमें परमेश्वर की अपने लोगों के विश्वास की परीक्षा की भूमि को समझने में मदद करता है।

खैर, फिर, इसे थोड़ा स्पष्ट करने के लिए, जब हम इतिहास का अध्ययन करना शुरू करते हैं और इतिहास, इन घटनाओं के विकास को, प्लेइंग बोर्ड पर, स्थानिक आयाम में डालते हैं, तो हम जानते हैं कि ऐसे सबक हैं जो हम उससे सीख सकते हैं. और इसलिए, जो मुझे मिला है उसे दोहराने के लिए, ऐसा कोई धर्म नहीं है जो उन ऐतिहासिक घटनाओं से अलग हो जो उन संस्कृतियों को आकार देते हैं जिनमें इसका जन्म हुआ है। पॉल 1 कुरिन्थियों 10 में पढ़ाते समय इस बात को स्पष्ट करेगा।

वह हमें उन सभी घटनाओं की याद दिलाता है जो परमेश्वर के लोगों और इस्राएल के साथ घटित हुईं, कैसे वह उन्हें समुद्र के माध्यम से लाया, कैसे उन्होंने उनके लिए पानी उपलब्ध कराया, और कैसे उन्होंने उनके लिए मन्ना प्रदान किया। फिर वह उन चीजों के बारे में बात करता है जो उन्होंने कीं, जिनमें से अधिकांश बिल्कुल अनुकरणीय नहीं थीं। लेकिन उनका कहना है कि ये चीजें हमारे लिए सबक सीखने के लिए घटित हुईं।

इसलिए इतिहास में हमारे लिए सबक हैं। इसलिए, जब हम इस विशेष इकाई से गुजर रहे हैं तो हमें इस बात की अच्छी समझ है कि हम क्या अध्ययन करना चाहते हैं। अब आइए थोड़ा आगे बढ़ें और देखें कि वह क्या है जिस पर हम ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं।

दूसरे शब्दों में, जब हम इन सभी व्याख्यानों के माध्यम से अपना काम करते हैं, तो हम उन चीजों को एक साथ कैसे रखते हैं जो हमारे अध्ययन को प्रभावित करती हैं? खैर, सबसे पहले, जाहिर है, भूमि क्योंकि भूमि का अध्ययन वास्तव में प्रत्येक इकाई के लिए हमारा प्राथमिक फोकस होगा जिसमें हम शामिल होने जा रहे हैं। इसके अलावा, हम उन सभी ग्रंथों को देखना चाहते हैं जो इस स्थान के बारे में हमारी समझ को सूचित करेंगे। निःसंदेह उनमें से अधिकांश बाइबल पाठ होंगे, लेकिन अन्य भी बाहर हैं।

हम क्षण भर के लिए उनमें से कुछ उदाहरणों के बारे में बात करेंगे। यहां नीचे बाईं ओर तीसरा शब्द, टॉपोनिमी, वह नहीं हो सकता है जिससे आप विशेष रूप से परिचित हों, लेकिन इसका अर्थ है स्थानों के नामों का अध्ययन। और जब हम इस पहले घंटे के अंत में पहुंचेंगे तो मैं इसके बारे में थोड़ा और बताऊंगा।

और फिर हम पूरा दूसरा सत्र पुरातत्व को समर्पित करने जा रहे हैं, केवल पुरातत्व का परिचय और यह कैसे हमें ऐतिहासिक भूगोल के हमारे व्यापक अनुशासन को समझने में मदद करता है। तो, बिना किसी देरी के, आइए सबसे पहले इस बात पर विचार करें कि हम भूमि के बारे में क्या सीख सकते हैं। मैं इस पर काफी समय बिताने जा रहा हूं।

यह विश्वास की परीक्षण भूमि के बीच की इस भूमि के लिए हमारी संपूर्ण व्यापक सराहना प्रदान करेगा जिसका मैंने कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था। खैर, निःसंदेह, बीच में भूमि शब्द आपको यह पूछने पर मजबूर कर देगा, ठीक है, किसके बीच? और इस पर ध्यान केंद्रित करना एक महत्वपूर्ण बात होगी। यह बहुत कच्चा नक्शा है.

यह एक रेखाचित्र है. यह एक योजनाबद्ध है. इसमें उन सभी अद्भुत चीजों को छोड़ दिया गया है जो आपने पहले मानचित्र पर देखी थीं, लेकिन जब हम बीच की भूमि कहते हैं तो इससे हमें जो मतलब होता है उसे समझने में थोड़ी मदद मिलेगी क्योंकि इसमें कई अलग-अलग कारक शामिल होते हैं।

उनमें से कुछ भौगोलिक हैं. दूसरों का संबंध लोगों से है और वे कहां रहते हैं और वे अधिक भू-राजनीतिक हैं। इसलिए सबसे पहले, हम शक्ति चक्र के संदर्भ में सोचना चाहते हैं।

यह एक ऐसा शब्द है जो हमें थोड़ी मदद करेगा। यदि आप इस बारे में सोचना चाहते हैं तो हमारे पास अनातोलिया है, जो आधुनिक तुर्की है। हमारे पास मेसोपोटामिया भी है, और जैसे-जैसे सदियां गुजरेंगी ये दोनों काफी व्यापक संस्कृतियों का केंद्र बनने जा रहे हैं।

और फिर, निःसंदेह, हमारे यहां मिस्र भी है। तो, कुछ शक्ति मंडल। इस तथ्य को नज़रअंदाज न करें कि बीच में हमारा, कोई वृत्त नहीं है, लेकिन मेरे पास वहां थोड़ा सा दीर्घवृत्त है।

अराम, जिसे सीरिया के नाम से भी जाना जाता है, आप जो बाइबिल का अनुवाद पढ़ रहे हैं उसके आधार पर, आप देखेंगे कि यह न केवल अनातोलिया के हमारे सर्कल के बीच में है, वैसे, जरूरी नहीं कि अनातोलिया में रहने वाले लोग सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हों पुराने नियम के काल में परमेश्वर के लोग, लेकिन वे वहाँ हैं और उनका कुछ प्रभाव पड़ने वाला है। और फिर, निश्चित रूप

से, वह क्षेत्र महत्वपूर्ण होने जा रहा है क्योंकि हम नए नियम के समय में आगे बढ़ रहे हैं। लेकिन ध्यान दें कि अगर हमारे पास कोई है, मान लीजिए कि बेबीलोनियाई या असीरियन या फारसियों, जो इस क्षेत्र पर शासन कर रहे हैं, अगर वे अपनी सीमाओं का विस्तार करना चाहते हैं, और इसे मुझसे लेना चाहते हैं, तो वे हमेशा ऐसा करते हैं, वे दबाव डालते रहेंगे , ठीक है, उन्हें जल स्रोतों का पालन करना होगा।

हम एक क्षण में इसके बारे में और अधिक बताने जा रहे हैं। इसलिए वे या तो अनातोलिया जाने से पहले या मिस्र में जाने से पहले इस तरह से यात्रा करने जा रहे हैं, जो नील नदी के कारण तुलनात्मक रूप से एक रोटी की टोकरी है। बीच में कौन है? खैर, यहां बफर जोन के रूप में अराम होने जा रहा है।

और फिर, निस्संदेह, हमारे बीच में और कौन है। और यह वह क्षेत्र होगा जिसे हम इसराइल, इस क्षेत्र में इज़राइल की भूमि कहने लगेंगे। और यातायात, उन कारणों से जिन्हें हम थोड़ी देर बाद स्पष्ट करेंगे, इस क्षेत्र से होकर गुजरना होगा क्योंकि यहां आपको भूमध्य सागर मिलेगा, जो मूल रूप से एक बाधा है।

यहां, आपके पास ग्रेट अरेबियन रेगिस्तान है, जो एक और बाधा है। यदि आपके पास जल स्रोत नहीं हैं, तो आप प्राचीन काल में इसके पार यात्रा नहीं करेंगे, और शायद अब भी नहीं। तो हमारी प्रमुख सड़कें, अगर हम उस पिछले मानचित्र पर वापस जाएँ, तो आप देखेंगे कि वे लाल सड़क रेखाएँ यहीं से होकर जा रही हैं।

यह एक भूमि पुल है, और यह सत्ता हलकों के बीच की भूमि है। वह महत्वपूर्ण होगा. उस क्षमता में, यह एक मंच बन जाता है।

यह इन विभिन्न क्षेत्रों तक सभी प्रकार के संदेशों को पहुंचाने का मंच बन जाता है। निःसंदेह, इसके बारे में वास्तव में दिलचस्प बात यह है कि परमेश्वर ने यही इरादा किया था जब उसने इब्राहीम से कहा, आशीर्वाद बनो, उत्पत्ति 12। इसका परमेश्वर के अनुबंधित प्रेम के संदेश से बहुत कुछ लेना-देना है।

यशायाह उस पर भी एक मुद्दा उठाने जा रहा है। बेशक, क्या वे मंच के प्रति वफादार लोग थे, या जैसा कि हम बार-बार देखेंगे, क्या उन्होंने अपने आस-पास की संस्कृतियों से सामग्री को अवशोषित किया था? लेकिन किसी भी कीमत पर, जब हम इसमें आगे बढ़ें तो इसे भी ध्यान में रखें। हमारे बीच कुछ अन्य रिश्ते भी हैं जिनके बारे में हमें बात करने की जरूरत है।

एक तो यह कि यह पश्चिम, सभी सांस्कृतिक संभावनाएँ जो यहाँ थीं और अभी भी हैं, और पूर्व के बीच की भूमि है। और मैं एक क्षण में इसके बारे में और भी बहुत कुछ कहने जा रहा हूँ। तो, यह यहां सिर्फ एक परिचयात्मक टैग है।

यह भी, सीधे तौर पर मौसम संबंधी मौसम के दृष्टिकोण से बोलते हुए, यह भूमध्य सागर और उस रेगिस्तान के बीच की भूमि है जिसका मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, अरब रेगिस्तान। मैं इसे और भी अधिक खोलूंगा क्योंकि यह वास्तव में इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है कि भगवान इस

भूमि का उपयोग उन्हें आशीर्वाद देने के लिए कैसे करते हैं या नहीं। हम उसके बारे में और अधिक बताएंगे।

यह किस प्रश्न के बीच इस जटिलता को कुछ हद तक समाप्त करने जैसा भी है। यह प्रतिस्पर्धी धार्मिक और विश्वदृष्टि प्रणालियों के बीच होने जा रहा है। मैंने कुछ क्षण पहले कहा था कि इसे एक अच्छा संदेश देने का मंच माना जाता था।

लेकिन दुर्भाग्यवश, परमेश्वर के लोगों ने स्वयं को अक्सर अपने आस-पास की चीज़ों से बहुत प्रभावित पाया, उदाहरण के लिए, बाल पूजा से। और हमारे पास इसके बारे में कहने के लिए और भी बहुत कुछ होगा, खासकर जब हम एलिय्याह की कहानियों से निपटते हैं, जब हम उन प्रलोभनों से निपटते हैं जो लोगों को हमेशा बाल पूजा के आगे झुकने का अनुभव होता है, उस भगवान की पूजा जो कथित तौर पर बारिश, गरज, तूफान, कृषि को नियंत्रित करता है , और आर्थिक उत्पादकता, इत्यादि। तो यह इन सभी प्रतिस्पर्धी विश्वदृष्टि प्रणालियों के बीच की भूमि है, और दुख की बात है कि भगवान के लोगों ने गोल चक्कर से बहुत सारी मूर्तिपूजा प्रथाओं को अपनाया।

तो, एक छोटे से मानचित्र के साथ, हमें यह अच्छी तरह से समझ में आ गया है कि बीच की भूमि के बारे में बात करने का क्या मतलब है। वह शुरुआत है. आइए देखें कि हम यहां से कहां जाते हैं।

पश्चिम बनाम पूर्व की बात को थोड़ा और उजागर करना। मैंने आपको उन प्रकार के लोगों की एक सूची दी है जिन्हें किसी न किसी रूप में पश्चिम या उत्तर-पश्चिम से आने वाला माना जाता है। और इसलिए हम देखने जा रहे हैं, मैंने कुछ समय पहले बाल पूजा का उल्लेख किया था, हम यह देखने जा रहे हैं कि फोनीशियन जो टायर और पोसीडॉन के आसपास के क्षेत्र में रहते थे, वे वही थे जो वास्तव में थोक में बाल पूजा करते थे, जो वे थे .

उन्होंने परमेश्वर के लोगों का अतिक्रमण किया। ठीक है, पलिश्ती भूमध्य सागर के पार कहीं से आते हैं, लेकिन जब वे वास्तव में भगवान के लोगों पर प्रभाव डालते हैं, तो वे वास्तव में देश के उस छोटे से हिस्से के पश्चिमी हिस्से में पहाड़ी देश में अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहे हैं जहां भगवान के लोग थे।

और फिर हम एक और उत्तराधिकार देखते हैं। हम यूनानियों, सिकंदर महान को आते हुए देखते हैं। हम रोमनों को उनके कोटटेल्स पर देखते हैं।

बाद में, सहस्राब्दी के अंत के आसपास कुछ सदियों में, 1099 से 1187 तक, हम देखते हैं कि क्रुसेडर्स सभी प्रकार की क्षति कर रहे थे। हम देखते हैं कि यूरोपीय लोग विभिन्न तरीकों और कारणों से आ रहे हैं। और फिर अंततः, इजरायलियों के साथ भी, हमारी इजरायलियों के साथ थोड़ी प्रतिस्पर्धा है, जिन्हें स्थानीय आबादी पश्चिम से आने वाला मानती है।

इस प्रकार के लोगों की कुछ विशेषताएं यहां दी गई हैं क्योंकि ऐसा माना जाता है कि वे इस अत्यंत दिलचस्प भूमि में आ रहे हैं। मैं इस बारे में और अधिक बताऊंगा कि एक पल में

समसामयिक स्थिति में यह कैसे काम करता है। लेकिन इन लोगों को हमेशा सांस्कृतिक लाभ होता दिखता है, या कम से कम ऐसा होने का दावा किया जाता है, है ना? अधिक महानगरीय, संभवतः अधिक प्रगतिशील, अधिक उदार और स्थानीय आबादी के लिए खतरनाक।

यदि हम इसे इस तरह से देखना चाहते हैं, तो यहां बाइबिल के कुछ उदाहरण दिए गए हैं। उदाहरण के लिए, यदि हम सैमसन पर जज की कहानी पढ़ते हैं, तो सैमसन हमेशा पलिश्तियों के सामने झुकने के लिए मजबूर होता है। यह अधिक उन्नत संस्कृति है.

वह बार-बार वहां जाता है. अन्य बातों के अलावा, वह फ़िलिस्ती महिलाओं के पीछे है, लेकिन वह उस अधिक प्रगतिशील संस्कृति में शामिल हो गया है। और दिलचस्प बात यह है कि परमेश्वर पलिश्तियों पर न्याय लाने के लिए इसका उपयोग करने जा रहा है।

जैसे-जैसे हम अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड में थोड़ा आगे बढ़ते हैं, हम देखते हैं कि हमें फ़िलिस्ती की धमकियाँ अभी भी मिलती रहती हैं। इस मामले में, जैसा कि 1 शमूएल 13 हमें बताता है, उनके पास वास्तविक तकनीकी लाभ है क्योंकि उनके पास लोहे का उत्पादन करने की क्षमता है। और पाठ में यह कहा गया है कि इस्राएलियों को अपने औजारों को तेज करने के लिए पलिश्तियों के पास ले जाना पड़ा।

पलिश्ती जानते थे कि यह कैसे करना है। तो यह संभवतः उन लोगों पर पश्चिमी लाभ है जो अभी वहां रह रहे थे। और वे, हम उन्हें अपने पूर्वी रेगिस्तानी लोगों के रूप में सोच सकते हैं।

शायद कुछ मामलों में वे अर्ध-खानाबदोश हैं। वे खानाबदोश हैं. वे चरवाहे हैं.

वे अधिक प्रांतीय रूढ़िवादी होते हैं और अपने पिताओं के तौर-तरीके अपनाते हैं। और हम इस टकराव को देखते हैं। हम वास्तव में इसे आज देखते हैं, लेकिन हम इसे बाइबिल के इतिहास के माध्यम से अपना काम करते समय भी देखते हैं।

अब भी, जब आप आधुनिक यरुशलम को देखते हैं, तो इसकी चर्चा पश्चिमी येरुशलम और पूर्वी येरुशलम के संदर्भ में की जाती है। और आपमें से उन लोगों के लिए सभी प्रकार के भू-राजनीतिक निहितार्थ चल रहे हैं, यहां तक कि उन शर्तों के साथ भी, जो इस तरह की चीज़ों का पालन करते हैं। खैर, यह सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों के बीच की हमारी भूमि है।

आप देखिए, यह एक बहुत ही दिलचस्प संदर्भ बनाता है। मौसम के लिहाज से बात करते हैं जमीन की, क्योंकि ये भी बेहद अहम है. यहाँ एक नक्शा है.

मैंने इसे कार्ल रासमुसेन के एनआईवी एटलस से बाइबिल तक उधार लिया है। और बस ध्यान दें कि हमें यहां क्या मिला है। हमें अपना मृत सागर मिल गया है।

हमें गलील का सागर मिल गया है। यह रिफ्ट वैली होने जा रही है। जैसे-जैसे समय बीतता जाएगा हम वास्तव में इससे परिचित होते जाएंगे।

यहाँ से बाहर, जैसा कि हमने देखा, पूर्व की ओर भूमध्य सागर और रेगिस्तान हैं। ठीक बीच में, ठीक बीच में, एक पर्वत श्रृंखला जो पूरी लंबाई में और उससे थोड़ा आगे, इस दिशा में, उत्तर की ओर फैली हुई है। एक पर्वत श्रृंखला जो मुख्यतः उत्तर की ओर, थोड़ा उत्तर-पूर्व की ओर और फिर नीचे दक्षिण की ओर चलती है।

वह समुद्र और रेगिस्तान के बीच है। यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि जब आपके पास समुद्र के ऊपर नम हवा होती है, जो आप करते हैं, तो आप में से जो लोग तटीय क्षेत्र के पास रहते हैं वे अच्छी तरह से जानते हैं कि आर्द्रता एक मुद्दा है। तो, हमारी प्रचलित हवाएँ, सामान्यतया, पश्चिम से आ रही हैं।

वे इन नम बादलों को ला रहे हैं, वे बादल जो भूमध्य सागर के ऊपर एकत्रित हो रहे हैं। वे उस पर्वत श्रृंखला के पार आते हैं। और अब, मेरे साथ ट्रैक करें क्योंकि हम देखते हैं कि क्या होता है क्योंकि मुझे एहसास है कि यह एक सरलीकृत संस्करण है, लेकिन मुझे लगता है कि यह हमें इन तीन घटकों के महत्व को समझने में मदद करेगा।

समुद्र, पहाड़, रेगिस्तान. नम हवा ऊपर उठती है. इसे धकेला जा रहा है, यह पर्वत श्रृंखला के ऊपर उठता है और ठंडा हो जाता है।

और इसलिए, जैसा कि यह होता है, पहाड़ों की उन पश्चिमी ढलानों पर कुछ प्रकार की वर्षा होने वाली है। वर्षा ऋतु में दो ऋतुएँ होती हैं। एक तो सर्दी है, और वह बरसात का मौसम है जो आम तौर पर अक्टूबर से मार्च तक चलता है, और फिर गर्मियों में शुष्क मौसम होता है।

गर्मियों के दौरान, हमें वह नमी मिलेगी। रात के समय, चूँकि ठंडक बढ़ रही है, वह ओस के रूप में होगी। इसलिए जब चीजें सामान्य होती हैं, तो आपके पास वह सुसंगत प्रावधान होता है, जैसे कि किसी प्रकार की नमी का आना और पश्चिमी ढलानों पर जमा होना।

ध्यान दें कि ऊँचाई जितनी अधिक होगी, आपको उतनी ही अधिक वर्षा होगी। और इसलिए, भले ही हमारे यरूशलेम क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में बारिश होती है, शायद प्रति वर्ष 22 से 25 इंच बारिश होती है, एक बार जब आप माउंट कार्मेल पर चढ़ जाते हैं, तो एक बार जब आप माउंट हर्मन पर चढ़ जाते हैं, तो यह अधिक हो जाता है।

तो उन संदर्भों में भी आपको अधिक बारिश होने वाली है। उत्तर से दक्षिण की ओर वर्षा कम हो जाती है। तो जाहिर है, यहां नीचे, इस क्षेत्र में काफी कम, 8 से 12 इंच या उससे भी कम बारिश होने वाली है।

पश्चिम से पूर्व की ओर वर्षा घटती जाती है। दूसरे शब्दों में, एक बार जब वे बादल पश्चिमी ढलानों पर अपनी वर्षा जमा कर देंगे, तो हम यहीं वर्षा की छाया देखेंगे। दिलचस्प बात यह है कि, जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, यरूशलेम में प्रति वर्ष लगभग 22 इंच बारिश होती है।

वह फिर यहीं है. वैसे, यदि आपको मानचित्र पर यरूशलेम को खोजने की आवश्यकता है, तो आप हमेशा ऐसा कर सकते हैं। मृत सागर के उत्तरी छोर पर जाएँ और फिर सीधे पश्चिम की ओर जाएँ।

यह लगभग 12 मील है, और यह वहीं होगा। और यह ठीक इस पहाड़ी ढलान की चोटी पर है। उसके पूर्व में, पर्वत श्रृंखला के पूर्वी हिस्से में, हमें वर्षा छाया मिली है।

जब आप जेरिको तक पहुंचते हैं, जो यरूशलेम से मात्र 12 मील या उससे अधिक पूर्व में है, तो प्रति वर्ष संभवतः 2 से 4 इंच बारिश होती है। तो आप देखिए, वह वर्षा छाया वास्तव में काफी नाटकीय है। ठीक है, आइए जारी रखें और इस वर्षा और उपजाऊ वर्धमान क्षेत्र को थोड़ा और बढ़ाएं या थोड़ा और विचार करें।

मैंने कहा कि जब मैंने उस परिचयात्मक मानचित्र को देखा, और हम बफर जोन के रूप में सीरिया के बारे में बात कर रहे थे, तो मैंने सुझाव दिया कि लोगों को फर्टाइल क्रिसेंट क्षेत्र से यात्रा करने के लिए, चाहे वह बेबीलोनिया हो या यहां कोई अन्य विशेष समूह, वे इसका अनुसरण करेंगे। नदियाँ केवल जलस्रोतों को वहाँ बनाए रखने के लिए। तो, हमारा उपजाऊ वर्धमान मुख्य रूप से टाइग्रिस नदी द्वारा परिभाषित किया गया है। यदि आप इन पर कुछ नोट्स ले रहे हैं तो हम थोड़ी देर में इनका उल्लेख करेंगे।

टाइग्रिस वहां तक जाती है और फिर फरात नदी, जो इस रास्ते से होकर गुजरती है। फिर, जैसे ही आप यहां से आगे बढ़ेंगे, जब हम अपनी ऐतिहासिक इकाइयों में पहुंचेंगे, तो हम पदन अराम वगैरह के बारे में और भी बहुत कुछ बात करेंगे। आप भूमध्यसागरीय तट के साथ आने वाले हैं, इसलिए हमारे पास भूमध्यसागरीय तट के ठीक बगल में फर्टाइल क्रीसेंट के दक्षिण और दक्षिण-पश्चिमी हिस्से का एक टुकड़ा, एक पतला टुकड़ा है।

मैं एक पल में यह बताने जा रहा हूं कि यह कैसे काम करता है, और फिर यह यहां हमारे मानचित्र से बस एक इंच नीचे चला जाएगा और मिस्र को भी प्रभावित करेगा क्योंकि नील नदी वहां है। लेकिन अगर आप इस गहरे भूरे क्षेत्र में ध्यान दें, तो यह हमारा क्षेत्र है जहां प्रति वर्ष लगभग दो से चार इंच बारिश होती है, और इसका एक बहुत ही पतला हिस्सा है जो सीधे उस स्थान पर पहुंच जाता है जिसे हम कुछ समय पहले बारिश की छाया कहते थे। खैर, बस थोड़ा सा भ्रमण।

मैंने टाइग्रिस और यूफ्रेट्स के जल स्रोतों का उल्लेख किया है, और मैं सिर्फ हमारे कुछ जल स्रोतों के बारे में कहना चाहता हूं क्योंकि वे इस बड़े क्षेत्र को प्रभावित करते हैं। जाहिर है, नील नदी मिस्र में है, और जब हम लगभग चार व्याख्यानों में नील नदी पर एक छोटी इकाई करते हैं, तो हम इस बारे में बात करने जा रहे हैं कि मिस्र की संपूर्ण संस्कृति को परिभाषित करने के संदर्भ में यह कितना महत्वपूर्ण है। नील नदी वह उपलब्ध कराएगी।

जिस उपजाऊ क्रिसेंट का हमने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, और ये दो नदियाँ, निश्चित रूप से, उस क्षेत्र के लिए निरंतर जल स्रोत प्रदान करने के मामले में बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह एक

मैला संस्कृति है. नील नदी इतनी अधिक नहीं है, लेकिन मेसोपोटामिया से होकर बहने वाली टाइग्रिस और यूफ्रेट्स नदियाँ मैली हैं।

मेसोपोटामिया का मतलब नदियों के बीच से है; यह नाम ही है, और इसका बिल्कुल सही अर्थ है, हालाँकि इस बात पर कुछ भौगोलिक बहस है कि वास्तव में कौन सी नदियाँ हैं, लेकिन अभी के लिए, हम उन्हें टाइग्रिस और यूफ्रेट्स के रूप में छोड़ने जा रहे हैं। हमारा दक्षिण-पश्चिमी किनारा भूमि की स्थिति से आकार लेता है, जैसा कि मैंने अभी आपको बताया है। यह समुद्र और रेगिस्तान के बीच है.

समुद्र से आने वाले बारिश वाले बादलों के साथ भी यही बात है। जब यहोवा मूसा के द्वारा कहता है, यह वह भूमि है जो स्वर्ग से वर्षा पीती है, यह बिल्कुल वैसा ही है। और निःसंदेह, जैसा कि आप अनुमान लगा रहे हैं और सुन रहे हैं और बाद में इसे पढ़ रहे हैं, आप देखेंगे कि यह भगवान के आशीर्वाद के संदर्भ में कैसे काम करता है या जब उसे उस वर्षा को रोकने वाले लोगों के खिलाफ वाचा प्रतिबंधों को लागू करने की आवश्यकता होती है।

तो यहाँ हम केवल कुछ सन्दर्भ देखते हैं। मैं वास्तव में इनमें से कुछ अंश पढ़ने जा रहा हूँ। व्यवस्थाविवरण 11 अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हम समय-समय पर इस पर वापस आते रहेंगे। तो मुझे एक क्षण लेने दीजिए, और जैसे-जैसे मैं पढ़ूंगा, मैं समय-समय पर रुकूंगा और शायद इनमें से कुछ चीजों पर विस्तार करूंगा। व्यवस्थाविवरण 11 प्रभु की आज्ञा से शुरू होता है कि तुम अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करो, और उसकी आवश्यकताओं का पालन करो।

अब, मैं श्लोक 10 पर जा रहा हूँ। जिस भूमि पर आप कब्ज़ा करने के लिए प्रवेश कर रहे हैं वह मिस्र की भूमि के समान नहीं है जहाँ से आप आए हैं, जहाँ आपने अपना बीज बोया था और उसे सब्जी के बगीचे के रूप में पैदल चलकर सींचा था। इस संबंध में कुछ चर्चा है कि पैर से सिंचाई का क्या मतलब हो सकता है।

हमारे पास पानी के पहिये के कुछ उदाहरण हैं, और आप उन्हें कभी-कभी अपने पैर का उपयोग करके घुमाएंगे, और इस पहिये पर छोटी बाल्टियाँ होंगी जो पानी उठाएंगी और जहां आपको इसकी आवश्यकता होगी वहां स्थानांतरित करेंगी। अधिक संभावना इस तथ्य की है कि मिस्र में, नील नदी के किनारे, आपके पास बाढ़ का मैदान है। और एक बार जब उस बाढ़ क्षेत्र में बाढ़ आ जाती है, तो वे बहुत आसानी से बाढ़ क्षेत्र के इन सभी क्षेत्रों में छोटे सिंचाई चैनल बना लेंगे।

इस पर निर्भर करते हुए कि आप पानी को कहाँ ले जाना चाहते हैं, आपको वास्तव में अपने पैर का उपयोग करके किसी स्थान को खोलना होगा, पानी के बहाव के लिए थोड़ी सी जगह खोदनी होगी और फिर अन्य चैनलों को भी बंद करना होगा। तो यह उस बारे में सोचने का एक तरीका है या दूसरा तरीका है। किसी भी कीमत पर यह ज़मीन वैसी नहीं है.

पद 11. जिस देश पर अधिकार करने के लिये तू यरदन पार कर रहा है वह पहाड़ों का देश है। हमने वह पहले ही देख लिया था।

और घाटियाँ जो स्वर्ग से वर्षा पीती हैं। यह वह देश है जिस पर तेरा परमेश्वर यहोवा वर्ष के आरम्भ से अन्त तक लगातार दृष्टि रखता है। और अब ध्यान दें कि यह केवल मौसम के मिजाज के बारे में एक बयान नहीं है।

यहां कुछ आकस्मिकताएं हैं. श्लोक 13. इसलिए यदि तुम ईमानदारी से उन आज्ञाओं का पालन करते हो जो मैं आज तुम्हें अपने परमेश्वर यहोवा से प्रेम करने और अपने पूरे मन और अपनी सारी आत्मा से उसकी सेवा करने के लिए दे रहा हूं, तो निस्संदेह, हे इस्राएल, हमारे प्रभु, वह यहीं वापस जाएगा। भगवान, भगवान वह है जिसे आप अपने भगवान भगवान से प्यार करेंगे।

किसी भी हालत में, उसकी इसी तरह सेवा करो। तब मैं तुम्हारी भूमि पर ऋतुकाल में वर्षा करूंगा। और फिर एक अतिरिक्त बोनस भी है।

पतझड़ और वसंत दोनों में वर्षा होती है। दूसरे शब्दों में, मैंने कुछ समय पहले कहा था कि हमारा बरसात का मौसम, जिसे वहां सर्दी कहा जाता है, आम तौर पर अक्टूबर से मार्च तक होता है, दे या ले। शुरुआती बारिश, ठीक है, वे उससे थोड़ा पहले हैं।

वे जमीन को गीला कर देंगे और रोपण के लिए इसे नरम कर देंगे। यह एक आशीर्वाद है. वसंत की बारिश, बरसात का मौसम खत्म होने के बाद थोड़ा और बढ़ावा मिलता है।

और यह उन फसलों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त देता है। इसलिए शरद ऋतु की बारिश और वसंत की बारिश विशेष आशीर्वाद हैं, जिन्हें कभी-कभी प्रारंभिक बारिश और बाद की बारिश भी कहा जाता है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कौन सा अनुवाद पढ़ रहे हैं। किसी भी दर पर, प्रभु ऐसा करने का वादा करता है।

और फिर एक जगह है जहां आप अपना अनाज, अपनी नई शराब और अपना तेल इकट्ठा कर सकते हैं। हम एक क्षण में उनके बारे में और भी बहुत कुछ बात करने जा रहे हैं। श्लोक 15, मैं तुम्हारे पशुओं के लिये खेतों में घास उपलब्ध कराऊंगा।

तुम खाओगे और तृप्त होगे. श्लोक 16, सावधान रहें, नहीं तो आप विमुख होकर अन्य देवताओं की पूजा करने और उन्हें दण्डवत् करने के लिए प्रलोभित हो जायेंगे। याद रखें, हमने प्रतिस्पर्धी सांस्कृतिक विश्वदृष्टियों के बीच की भूमि के बारे में बात की थी।

यही मुद्दा है, और यहीं सामने आ रहा है। पद 17, तब यहोवा का कोप तुम पर भड़केगा, और वह आकाश को बन्द कर देगा, और वर्षा न होगी, और भूमि से कुछ उपज न मिलेगी, और तुम उस अच्छे देश में से जो तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हें देता है नाश हो जाओगे। तो, इसके कुछ गंभीर परिणाम होंगे।

और यदि आपने इसे अपने बाइबिल पढ़ने में पहले से ही नहीं किया है, तो उस समय को देखें जब पुराने नियम और नए नियम दोनों में भूमि पर अकाल पड़ता है। इतनी जल्दी और देर से बारिश

और सामान्य तौर पर बारिश और भूमि की उत्पादकता। हम कुछ देर में उस अन्य उत्पादकता पर वापस आएँगे।

हम करने के संदर्भ भी देखते हैं। व्यवस्थाविवरण 33 में अद्भुत कविता। हम हाग्गै को देखते हैं, हम भजन 133 को देखते हैं, एक अद्भुत मार्ग।

यह कितना अच्छा और सुखद है जब भाई-बहन एकता में रहते हैं। यह दाढ़ी पर तेल डालने जैसा है, और हम इसके बारे में बात कर सकते हैं, लेकिन जिस कविता का मैं लक्ष्य कर रहा हूं वह सिय्योन पर्वत पर हर्मन पर्वत की ओस है। यह अविश्वसनीय रूप से ताज़गी देने वाली चीज़ है।

माउंट हर्मन उत्तर में बहुत दूर है, जैसा कि हम बाद में देखेंगे, और वहां ओस अधिक होगी। उसे सिय्योन पर्वत पर ले आओ, जहां परमेश्वर का भवन स्थापित किया गया था। यह एक जबरदस्त आशीर्वाद होगा.

हम मुरझाने का भी उल्लेख देखते हैं। दूसरे शब्दों में, उस अकाल की बात पर वापस जाएँ जिसका मैंने कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था। माउंट कार्मेल, जब हमने अपने मानचित्र को देखा, तो मैंने बस एक पल के लिए उस पर अपना सूचक लहराया।

माउंट कार्मेल सीधे भूमध्य सागर में जाता है। यह ऊँचा है. यह पश्चिम की ओर अधिक दूर है.

यह एक ऐसा स्थान है जहां भारी मात्रा में वर्षा होती है। जब यह सूख जाता है, तो लोगों पर परमेश्वर का न्याय होता है। और अमोस 1.2 और नहूम 1.4 दोनों कार्मेल के पतनशील निर्णय के शीर्ष के बारे में बात करते हैं।

जब हम एलिय्याह की कथा से निपटते हैं, जो हम करेंगे, भगवान की इच्छा से, हम कार्मेल के शीर्ष को सूखता हुआ देखेंगे, और फिर भी यही वह स्थान है जहां एलिय्याह के बीच इस्राएल के भगवान के भविष्यवक्ता के रूप में प्रतिस्पर्धा होगी और भविष्यवक्ता बाल. किसी भी दर पर, उसके संदर्भ और फिर उसके संदर्भ, ठीक है, इसे अब हैम्सिन या शोरव कहा जाता है, हालांकि बाइबिल के पाठ में इसे ऐसा नहीं कहा जाता है। यह रेगिस्तान से आने वाली अत्यधिक गर्म हवा है।

ऐसा तब होता है जब पश्चिम से आने वाली हवाएं कुछ समय के लिए नहीं आती हैं। इसके बजाय, हवा की दिशा बदल जाती है, और आप निश्चित रूप से देख सकते हैं कि एक बहुत शुष्क रेगिस्तान से बाहर आना, जो गर्मियों में लगभग 130 डिग्री फ़ारेनहाइट तक पहुंच सकता है, भयानक होने वाला है। यिर्मयाह 4 श्लोक 11 और 12 रेगिस्तान की उस चिलचिलाती हवा के बारे में बात करेंगे जो सब कुछ सुखा देगी।

उदाहरण के तौर पर मेरे पास यहां कुछ तस्वीरें हैं। यह पहला वाला, आप सोच सकते हैं, ओह, यह तो बस एक अच्छे छोटे बादल को देख रहा है। वास्तव में, यह एक बादल को देख रहा है, लेकिन यह हवा में धूल का एक बादल है।

यह भयंकर रेगिस्तानी हवा, क्योंकि वहां ऐसा कुछ भी नहीं है जो आने पर बहुत महीन धूल को जमीन पर रोक कर रखती है, इसलिए यह हवा में सभी प्रकार की धूल उड़ा रही है। और इसलिए यहां हम दोपहर के समय सीधे सूर्य की ओर देख रहे हैं। हम वास्तव में जमीन के नकारात्मक हिस्से में हैं और तस्वीर ले रहे हैं क्योंकि हवा में इतनी गंदगी है।

यह कभी-कभी कई दिनों तक चल सकता है। यह अक्सर दिखाई दे रहा है, आमतौर पर, हमेशा नहीं, लेकिन आमतौर पर सर्दियों और वसंत के बीच संक्रमण के समय में। इसलिए, मई में एक मौसमी प्रकार की अनिश्चितता और अस्थिरता है।

हमें ये शांत दृश्य मिलते हैं। कभी-कभी उसके बाद बारिश होती है, और जब होती है, तो वहां जो कुछ है उस पर कीचड़ की बारिश होती है। मैं आपको एक और उदाहरण देता हूं.

जैसा कि आप देख सकते हैं, यह अपेक्षाकृत हाल ही में लिया गया था। यह यरूशलेम है. यह हिन्नोम घाटी के पार दिख रहा है, जिसे आप यहां नीचे देख सकते हैं, लेकिन वह सब हवा में धूल है।

यह स्थान आमतौर पर वैसा ही दिखता है। धूल साफ़ करें, और यहाँ हम नीचे स्कॉटलैंड के प्रतिष्ठित चर्च, बड़े और केंद्र, हिन्नोम घाटी को देख रहे हैं। तो यह आपको दो उदाहरण देता है कि शांत दृश्य वास्तव में कैसा दिखेगा और यह सभी प्रकार के कारणों से क्या कठिनाइयाँ पैदा करेगा, जिनमें से कम से कम केवल सामान्य साँस लेना है।

यीशु स्वयं इनमें से कुछ मौसम पैटर्न के बारे में बात करेंगे, और मैंने यह दिखाने के लिए इसका थोड़ा सा उद्धरण दिया है कि उन्हें उम्मीद थी कि उनकी भीड़ यह जानेगी कि मौसम कैसे काम करता है। और वैसे, यह काफी हद तक समझ में आता है क्योंकि, जाहिर है, यह यीशु के लिए एक श्रोता है जो कृषि अस्तित्व से निपट रहा है। किसी भी कीमत पर, यीशु ने भीड़ से कहा, जब तुम पश्चिम में बादल को उठते देखते हो, तो कहते हो कि बारिश होगी।

और इसलिए वह यह पहचान रहा है कि पश्चिम से नमी से भरे बादल लाने के लगातार पैटर्न से बहुत आवश्यक वर्षा होने वाली है। और जब दक्षिणी हवा चलती है, तो वह शांत दृश्य होता है। आप कहते हैं कि यह गर्म होने वाला है, और यह गर्म है।

और फिर, निस्संदेह, वह इससे एक सबक लेता है, है ना? हे कपटी लोगों, तुम जानते हो कि आकाश में पृथ्वी का रूप कैसे समझा जाता है। और उन्होंने ऐसा किया, वैसे, वे इसमें अच्छे थे। लेकिन फिर वह आगे कहते हैं, ऐसा कैसे है कि आप नहीं जानते कि इस वर्तमान समय की व्याख्या कैसे की जाए? और उससे जुड़े तमाम तरह के निहितार्थ हैं.

खैर, मैंने कुछ समय पहले आस्था की परीक्षण भूमि शब्द का उल्लेख किया था। इन दो शब्दों को ध्यान में रखें क्योंकि जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे ये भूमि के बारे में हमारी समझ को आकार देंगे। यह उन सभी बीच की भूमि है जिसका हमने उल्लेख किया है, और क्योंकि यह सच है, यह विश्वास की परीक्षण भूमि बन जाती है।

परमेश्वर की वाचा के वादे इसी पर आधारित हैं। जब वह सिनाई में उन्हें वाचा के बारे में बताता है, तो वह कहता है कि इसके परिणाम होंगे। परिणाम, यदि वे टोरा के प्रति आज्ञाकारी हैं, कृषि आशीर्वाद, सुरक्षा, वह उन चीजों का वादा करता है।

लेकिन इन दोनों अनुच्छेदों में, अवज्ञा का अर्थ है अकाल, मृत्यु और दुश्मनों के हाथों विनाश, न कि सुखद परिणाम। व्यवस्थाविवरण अध्याय आठ कहता है कि यह एक अच्छी भूमि है। वास्तव में, यह भूराजनीतिक रूप से बीच की भूमि है।

यह अच्छा हो सकता है यदि लोग आज्ञाकारी हों, और हम निश्चित रूप से इसे तब देखते हैं जब हमारे पास कुछ अच्छे राजा होते हैं जो अपने आस-पास के लोगों के साथ अच्छा और बुद्धिमानी से व्यवहार करते हैं। मौसम के मिजाज के लिहाज से यह एक अच्छी भूमि है क्योंकि वर्षा इसे बहुत उत्पादक बनाने के लिए पर्याप्त है, जैसा कि हम एक पल में देखने जा रहे हैं जब हम भूविज्ञान के बारे में बात करना शुरू करेंगे। हाँ, भूविज्ञान वास्तव में दिलचस्प है, और इसे जानना महत्वपूर्ण है।

यह वह भूमि है जिसके मुख्य भाग में जहां भगवान की जनजातियाँ लगाई गई थीं, कुल मिलाकर बहुत उपजाऊ मिट्टी है। और इस प्रकार वर्षा को उपजाऊ मिट्टी के साथ मिलाओ, और तुम्हारे पास वह भूमि होगी जिसे परमेश्वर ने आशीष दी है। हमारे पास भू-राजनीतिक दृष्टि से भी एक भूमि है जिसके बीच में एक मंच हो सकता है।

यह आकर्षक है, और मैं इस बिंदु पर न्यू टेस्टामेंट के एक छोटे से दृश्य की ओर बहुत आगे बढ़ रहा हूं। यह दिलचस्प है कि हेरोदेस महान, यह एक ऐसा नाम है जिसे आप सभी जानते हैं, हेरोदेस महान, जब उसने समुद्र पर कैसरिया नामक एक जगह बनाई, तो उसका इरादा इसे उस चीज़ के लिए एक प्रवेश बिंदु के रूप में उपयोग करने का था जिसे वह उच्च श्रेणी का मानता था। , महानगरीय, इस भूमि में बहुत बेहतर रोमन, ग्रीको-रोमन संस्कृति, जिसे वह थोड़ा पीछे की ओर समझता था। उसे राजा नियुक्त किया गया था.

लेकिन ईश्वर की व्यवस्था में, पवित्र आत्मा ने इसे 180 डिग्री के आसपास घुमाया, और यह कैसरिया से होगा कि हमारे पास वास्तव में यह पोडियम प्रभाव होगा क्योंकि सुसमाचार उस बिंदु से आगे बढ़ेगा। खैर, आइए आगे बढ़ते रहें और भूमि की उपज के इन मामलों के बारे में थोड़ा समझें जिनका मैंने पहले उल्लेख किया था जब मैंने पढ़ा था, विशेष रूप से व्यवस्थाविवरण 11.14। अनाज, नई शराब और तेल। इसे फसलों की त्रिमूर्ति के रूप में सोचें।

क्या वे अन्य चीजें उगाते हैं? हाँ वे करते हैं। लेकिन यह वह त्रय है जो बार-बार दिखाई देता है, हमारी वाचा के वादों में, व्यवस्थाविवरण 11 में, और साथ ही भविष्यवक्ता भी बात कर रहे हैं। क्योंकि, जैसा कि आप शायद जानते हैं, आप बहुत लंबे समय से इस वर्ग में हैं, भविष्यवक्ताओं को वाचा प्रवर्तन मध्यस्थ कहा जाता है, और इसलिए, जब लोग आज्ञाकारी थे या नहीं, वे वाचा की शर्तों पर वापस चले गए और उन्हें संदर्भित किया।

इसलिए योएल, कई अन्य भविष्यवक्ताओं के बीच, अनाज, नई शराब और तेल के बारे में बात करने जा रहा है। जिस क्रम में उनकी कटाई की जाती है। आइए उन पर थोड़ा नजर डालें।

आप अनाज के खेत देखते हैं. वैसे, यहाँ ऊपर पानी का यह थोड़ा सा हिस्सा गलील सागर का कोना है, और आपको कुछ सुंदर अनाज के खेत दिखाई देते हैं जो कटाई के लिए तैयार हैं। ब्रेड लेहेम शब्द का अनुवाद है।

हम पहचानते हैं कि चुकंदर में, रोटी का घर है। लेकिन यह भोजन का पर्याय है, और इसलिए आपके कुछ अनुवाद, जब आप भोजन देखते हैं, तो मुझे लगता है कि एनआईवी इसे लगातार करता है; जब आप भोजन शब्द देखते हैं, तो यह वास्तव में उस शब्द का अनुवाद लेहेम, ब्रेड है क्योंकि बहुत अधिक मात्रा में कैलोरी का सेवन उस पर निर्भर करता है। अंगूर की लताएँ।

अनाज, नई शराब और तेल। और इसलिए आप देख और पढ़ सकते हैं और साथ ही मैं यह भी कह सकता हूं कि शराब उनके लिए महत्वपूर्ण थी। जल शोधक, अन्य चीजें।

इस प्रकार अंगूर की बेलें भूमि में उगाई जाती थीं। वे ठीक नीचे ज़मीन पर थे। अब, जब आप इज़राइल का दौरा करने जाते हैं, तो लगभग हर अंगूर उगाने वाले स्थान पर जाली होती है क्योंकि उनके पास सिंचाई होती है।

यहाँ, हालाँकि, ये लताएँ थीं, तना, या क्षमा करें, बेल की शाखा, स्वयं बेल, नीचे एक चट्टान पर होती, इसे बस थोड़ा सा ऊपर रखती, और उन सभी पहलुओं, दोनों पत्तियाँ, लता और उसके नीचे की चट्टान पर ओस जमा हो जाती थी, और वह बहकर भूमि में मिल जाती थी। यहाँ एक बहुत छोटी वाइन प्रेस है. इसे देखना कठिन हो सकता है.

यह वास्तव में एक अंगूर के कुंज के ठीक बीच में आधारशिला में उकेरा गया है। आर्बर सही शब्द नहीं है, लेकिन किसी भी कीमत पर, यह वहाँ है। आप इसकी रूपरेखा यहीं देख सकते हैं.

इसका आकार कम है। आप वहां अंगूर डालते हैं, उन्हें रौंदते हैं, और फिर शराब को उस छोटे कुंड में इकट्ठा करते हैं। ओह, मैंने यहां एक को छोड़ दिया।

आइए बस थोड़ा सा बैक अप लें। ओह, हम इसे वापस नहीं ले पा रहे हैं। ठीक है, मेरे साथ रुको.

वह आखिरी वाला बस एक जैतून का पेड़ था, इसलिए हम बस चलते रहेंगे। अतिरिक्त कृषि आशीर्वाद के लिए, अनाज, नई शराब और तेल के अलावा, हमारे पास वह चीज़ है जिसका मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था, अद्भुत मिट्टी। हमारे पास भी झरने हैं और वह भी भूविज्ञान पर निर्भर रहेगा।

हम उस पर वापस आने वाले हैं। यह अर्ध-खानाबदोश अस्तित्व का एक क्षेत्र है, विशेष रूप से इसके हाशिये और किनारे पर, इसलिए जब आप उन्हें देखते हैं तो बहुत सारे झुंड, भेड़ और बकरियां एक साथ दिखाई देती हैं। जैसा कि आपने देखा, ये बहुत सारा जीविका प्रदान करते हैं,

दोनों ही संदर्भ में कि वे कैसे रहते हैं और क्या खाते हैं, विशेष रूप से बकरी का दूध, और उन्हें एक साथ रहना पड़ता है।

ध्यान दें यहां एक छोटा सा नोटिस है। भेड़ें उसी क्षेत्र में चरती हैं। वे वहीं रहना पसंद करते हैं.

बकरियाँ उन्हें चलाती हैं, और वे पूरे झुण्ड को आगे बढ़ाते हैं। आपमें से उन लोगों के लिए जो संदर्भ के छोटे-छोटे टुकड़े पसंद करते हैं, गॉर्डन कॉनवेल थियोलॉजिकल सेमिनरी से जुड़े टिम लानियाक ने उस समय पर आधारित एक प्यारी सी किताब लिखी है जब वह और उनकी पत्नी बेडौइन के साथ रहते थे। खैर, मेरी भेड़ों द्वारा, या नहीं।

ख़ैर, चरवाहे अपने झुंडों पर नजर रख रहे थे। मुझे माफ़ करें। मुझे वे दो क्रिसमस कैरोल शीर्षक मिश्रित मिले।

किसी भी दर पर, वह इस प्रकार की चीजों पर सबक देता है जिसे हम बेडौइन के साथ रहने से सीख सकते हैं और फिर उन्हें पादरी पर लागू करते हैं क्योंकि वे झुंड के चरवाहे भी हैं। किसी भी दर पर, आगे बढ़ते हुए, हमें बाइबिल पाठ में अन्य संकेत मिलते हैं कि वहाँ झुंड भी हैं, और हमें पेड़ों और समृद्ध चरागाहों के भी संकेत मिलते हैं। इसलिए भले ही आप कभी-कभी ज़मीन की तस्वीरें देखते हों, लोग वापस आ जाते होंगे, और बरसात के मौसम में यह बहुत सूखी और बंजर लगती है, लेकिन ऐसा नहीं है।

और मैं यह भी सुझाव दूंगा कि 200 साल पहले, 300 साल पहले, 400 साल पहले, 2,000 साल पहले, पेड़ों के मामले में भी यह अलग था। दुख की बात है कि तुर्क साम्राज्य के दौरान, तुर्की शासनादेश के 400 वर्षों के दौरान, बहुत सारे पेड़ काट दिए गए। इसके सभी प्रकार के दिलचस्प भू-राजनीतिक कारण हैं।

शुरुआत से ही, जब प्रभु होरेब पर्वत पर मूसा से बात कर रहे थे, तो उन्होंने कहा, यह दूध और शहद से बहने वाली भूमि होगी। और आप उस वाक्यांश को बार-बार वापस आते हुए देखते हैं। दूध निस्संदेह बकरी का दूध है, वे सभी अद्भुत झुंड।

शहद दो चीजों में से एक हो सकता है। ऐसा लगता है कि इन लोगों से पहले, भगवान के लोग भूमि में आए और उन्हें अपनी जनजातीय विरासत मिली, अधिकांश बड़े शहर उन क्षेत्रों में थे जो तटीय मैदान के करीब थे। हम उन क्षेत्रों के बारे में थोड़ी देर बाद बात करने जा रहे हैं।

और यह क्षेत्र जो वास्तव में पहाड़ी देश था, बहुत कम आबादी वाला था, और जंगली फूल भी कम थे। हम अपने सैमसन आख्यान में देखते हैं कि हमने एक क्षण पहले सैमसन का उल्लेख किया था। आपने मधुमक्खियों, छत्तों, शहद इत्यादि का उल्लेख किया होगा। और इसलिए आपको उस तरह की चीज़ मिल गई है।

ऐसा कहने के बाद, ऐसे लोग भी हैं जो सोचते हैं कि उन ऊपरी पहाड़ी ग्रामीण क्षेत्रों में, आपके पास अंगूर नहीं थे; क्षमा करें, आपके पास था, मुझे दोबारा कोशिश करने दीजिए, आपके पास

खजूर नहीं थे। कुछ लोग सोचते हैं कि खजूर के पेड़ों ने निचले इलाकों में उनके लिए मीठा शहद का मिश्रण उपलब्ध कराया होगा। खैर, यहाँ एक दिलचस्प अंश है।

हममें से सभी भूगोल का अध्ययन करने के स्थान के रूप में राजा के पर्यवेक्षकों की सूची को देखने के बारे में आवश्यक रूप से नहीं सोचते हैं। लेकिन मुझे प्रथम इतिहास 25 से 31 तक का सारांश प्रस्तुत करने दीजिए। मैं पूरी बात नहीं पढ़ने जा रहा हूँ, लेकिन यह उन लोगों के बारे में बात कर रहा है जो शाही सम्पदा पर नियंत्रण रखते हैं।

और यहां बताया गया है कि उन्होंने क्या नियंत्रित किया। वे भूमि पर खेती करते थे, जिसके प्रभारी थे अंगूर के बाग, पश्चिमी तलहटी में गूलर-अंजीर के पेड़, जैतून के पेड़, जैतून का तेल, शेरोन में चरने वाले झुंड, हम इसके बारे में बात करने जा रहे हैं, घाटियों में झुंड, ऊंट, गधे, झुण्ड. और इसलिए, उस छोटे से अंश में, हमें दोनों क्षेत्रों का संकेत मिलता है। हम थोड़ी देर बाद क्षेत्रीय अध्ययन करने जा रहे हैं, साथ ही भूमि की उपज का भी अध्ययन करेंगे।

ख़ैर, अभी ज़मीन पर इतना ही अवलोकन पर्याप्त है। आइए पाठों के बारे में सोचने की ओर एक त्वरित परिवर्तन करें। बस एक अनुस्मारक, ऐतिहासिक भूगोल, भूमि और पाठ में योगदान देने वाले उप-विषयों का चार गुना सेट दूसरे स्थान पर था, स्थलाकृति तीसरे और पुरातत्व चौथे स्थान पर था।

पाठों पर कुछ नोट्स। और यह स्पष्ट रूप से एक फोकस है। वे उन पाठों पर ध्यान केंद्रित करने जा रहे हैं जो भौगोलिक संदर्भ में इतिहास की हमारी समझ में योगदान करते हैं। तो, जाहिर है, हम हर चीज़ पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

हम बाइबिल के संदर्भों को देखने जा रहे हैं। और कुछ ही जो हमें यह समझने में मदद करेंगे कि विभिन्न प्रकार के भौगोलिक संदर्भ हैं, यहां तक कि बाइबिल पाठ में भी। मैं उन्हें एक क्षण में खोल दूँगा, इसलिए मैं अब उन्हें नहीं पढ़ूँगा।

हम बाइबिल से इतर पाठों को देखने में भी कुछ समय व्यतीत करने जा रहे हैं। उनमें से अधिकतर मिस्र से आते हैं। जाहिर है, ऐसा इसलिए है क्योंकि मिस्र एक शुष्क जगह है, और हम वहां इन कुछ अन्य स्थानों की तुलना में अधिक ग्रंथों को संरक्षित करते हैं।

इसके अलावा, मिस्र के फिरौन के पास अक्सर जमीन के माध्यम से अपना रास्ता बनाने और उस क्षेत्र में अपने आक्रमणों के रिकॉर्ड को संरक्षित करने का एक तरीका था। तो, यहां हमारे पास मौजूद पाठों के कुछ प्रकार के सारांश हैं। विवरण मुख्य रूप से पुरातनता के अभिलेखों की कुछ समझ बनाए रखने के लिए लिखे गए हैं।

उत्पत्ति 10 उनमें से एक है। हम एक क्षण में उस पर वापस आएंगे। फिर हमारे पास एक अन्य प्रकार का पाठ, सीमा विवरण है।

क्या आपको याद है कि जोशुआ 15 की शुरुआत से ही मैंने आपको क्या पढ़ा था? खैर, 15 से 18 तक, हमारे पास सीमाओं के नाम या कम से कम शहर की सूचियाँ हैं। और ऐसा प्रतीत होता है

कि इनका उपयोग प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए किया गया है। और दिलचस्प बात यह है कि यह बाइबिल पाठ में छोटे रूप में है।

हमारे पास निश्चित रूप से यह हमारे मिस्र के संदर्भ में फिरौन से कहीं अधिक बड़े रूप में है जिन्होंने अपने अभियानों के बारे में बात की थी। लेकिन 1 राजा 15 और 2 राजा 15, यह वास्तव में उपयोगी है क्योंकि वे दोनों अध्याय 15 हैं। लेकिन वे दो विदेशी शासकों द्वारा भूमि पर विजय, या शायद मुझे कहना चाहिए आक्रमण के बारे में बात करने जा रहे हैं।

उनके बारे में और अधिक क्षणिक रूप से बात करें। यहां उत्पत्ति 10 है, जो हमें यह समझने के लिए बस एक छोटा सा अंश है कि प्राचीन काल का यह पूरा रिकॉर्ड किस बारे में हो सकता है। येपेत के पुत्र, समुद्रतटीय लोग।

और फिर इसमें कुश का, मिस्र का, कनान का उल्लेख है। और फिर, यदि आप अंतिम वाक्य पर जाएं, तो कनानियों का क्षेत्र, और अब ध्यान दें कि यह कितना विशिष्ट होता जा रहा है, सिडोन से विस्तारित, जो फेनिशिया के क्षेत्र में, गरार की दिशा में दूर तक होता है गाजा, सीधे भूमध्य सागर के तट से नीचे जा रहा है। और फिर सदोम, अमोरा, अद्मा, और सबोईम की दिशा में।

बेशक, यह वास्तव में एक दिलचस्प संदर्भ है क्योंकि हम नहीं जानते कि वे शहर कहाँ थे। वे वही थे जो उत्पत्ति 19 में नष्ट हो गए थे। अगला चित्रण अभी भी बाइबिल पाठ का है।

सीमा विवरण, ताओ सूचियाँ। मैंने पहले ही इसका उल्लेख किया है, इसलिए मुझे केवल यह ध्यान देना चाहिए कि हमारे पास यहूदा की प्रधानता है, जैसा कि मैंने कुछ क्षण पहले उल्लेख किया था। अध्याय 15 के सभी, इसके सभी 63 श्लोक।

फिर, आप देख सकते हैं कि अध्याय 19 में बहुत कम प्रोफ़ाइल वाले शिमोन, ज़ेबुलून, इस्साकार, आशेर, नेफ्ताली और दान के विपरीत, यहां वे अभियान हैं जिनका मैंने कुछ समय पहले उल्लेख किया था। जब हम इन विशेष क्षेत्रों के बारे में बात करना शुरू करते हैं जहां ये घटित हुआ, तो हम वापस आएंगे और इन्हें फिर से देखेंगे।

इसलिए, मैं अभी इनमें से प्रत्येक आक्रमण के पीछे की भू-राजनीतिक परिस्थितियों में नहीं जाऊंगा। मैं चाहता हूं कि आप नामों का उल्लेख देखें। आपको एक सीरियाई राजा मिल गया है।

उसका नाम बेन-हदद है। उसे यहूदा के राजा ने बुलाया है। और वह क्या करता है? वह तत्कालीन उत्तरी राज्य में एक सेना भेजता है।

वह इजराइल है. नामों की अगली सूची अभी आपके लिए बहुत मायने नहीं रखेगी। यह अंततः होगा, क्योंकि ईऑन, डैन, अब्बा बेइत माखा, सभी किनेरेट, नेफ्ताली की सभी भूमि, इसका मतलब है कि इस क्षेत्र को एक-एक करके हटा दिया गया है।

वहाँ एक शहर है, एक और शहर है, एक और शहर है, और पूरे क्षेत्र को उस समय बेन-हदाद के तहत सीरिया की भू-राजनीतिक इकाई द्वारा निगला जा रहा है। यह यात्रा की एक पंक्ति में है. इसी प्रकार की यात्रा देश के उत्तरी भाग से आती है; नामों पर फिर से गौर करें.

इओन, अब्बा बीट माखा, और अब यह और भी बदतर हो गया है। ये वे नाम हैं जो अधिक महत्वपूर्ण हैं, और ये सभी नप्ताली की सारी भूमि पर समाप्त होते हैं। नप्ताली की भूमि आदिवासियों की विरासत थी, जो गलील सागर के ठीक उत्तर और पश्चिम में है।

तो टिग्लाथ-पिलेसर नाम का यह व्यक्ति, जो असीरिया और मेसोपोटामिया का राजा है, वास्तव में उस पूरे क्षेत्र को अपने शासन और प्रभुत्व के अधीन कर रहा है। खैर, आइए कुछ अतिरिक्त-बाइबिल ग्रंथों को उठाएं, और यह निस्संदेह पुरातत्व के हमारे अध्ययन के साथ ओवरलैप होने वाला है। हमारे पास मिस्र अभियान पत्रिकाओं से निकलने वाली समान प्रकार की सामग्री है।

हमने इसे पहले कहाँ देखा है? हमारे पास साहित्यिक पपीरस का एक उदाहरण भी है, सिनुई नाम का एक व्यक्ति, जो बहुत दिलचस्प है। इसमें कनान क्षेत्र में उनकी यात्रा का वर्णन है। हमारे पास श्राप पाठ हैं, जो अजीब शब्द हैं, लेकिन आप में से जो लोग अपने Google शब्दकोश को देखना चाहते हैं, उनके लिए ये ऐसे पाठ हैं जो शाप का उच्चारण करते हैं।

वे दस्तावेज़ बनाने वाले व्यक्ति विशेष के शत्रुओं को श्राप देते हैं, और मैं दस्तावेज़ को उद्धरण चिह्नों में उपयोग कर रहा हूँ। आप एक पल में उनकी तस्वीरें देखने वाले हैं। और फिर शायद वह जो थोड़ा अधिक परिचित हो सकता है, एल अमर्ना नामक एक जगह है जहां पत्रों की एक पूरी श्रृंखला पाई गई है।

मैं इसके बारे में और भी बहुत कुछ कहूंगा जब हम कनान देश के उन अलग-अलग शहरों के बारे में बात करते हैं जो मिस्र में एक फिरौन को ये पत्र भेज रहे थे, जो उनके दिमाग में, उस देश की देखरेख में वह नहीं कर रहा था जो उसे करना चाहिए था। उनकी भलाई के लिए. खैर, यहां अभियान सूची का सिर्फ एक उदाहरण है। यदि आप चाहें तो थुटमोस III, संभवतः सबसे महत्वपूर्ण मिस्र विजेता, एक सैन्य व्यक्ति था।

हमारे पास उसके द्वारा किए गए कार्यों के कई रिकॉर्ड हैं, उनमें से कुछ कनान में हुए थे। वह 1400 ईसा पूर्व, 15वीं शताब्दी का है, और इनमें से हर एक छोटी अंडाकार आकृति है जिसके शीर्ष पर एक सिर है, और यह एक कार्टूचे है, और इसे उस स्थान का नाम मिला है जिसे उसने जीता है, और यह अपने तरीके से काम करता है ऊपर। ध्यान दें कि ऐसे लोगों की अच्छी खासी संख्या है जो उसके प्रभुत्व में आ गए हैं।

इस पैनल पर, युद्ध उपकरण चलाते हुए उसकी एक बड़ी तस्वीर है। निष्पादन पाठ, उनके दो अलग-अलग सेट। उनमें से एक, उनका एक समूह, बैलों पर ये नाम, श्राप डालता है।

वे एक व्यक्ति के नाम का उल्लेख करेंगे. फिर, निःसंदेह, यदि आपने इस बैल को तोड़ा, तो यह प्रतीकात्मक था, उस विशेष शत्रु की शक्ति को तोड़ने की एक जादुई चीज़ की तरह। जैसा कि

आप देख सकते हैं, ये 19वीं शताब्दी ईसा पूर्व के मध्य से आए हैं, और इस विशेष में यरूशलेम का उल्लेख किया गया है।

एक अन्य शैली थी छोटी टेराकोटा मूर्तियाँ बनाना। आप देखेंगे कि इनका स्वरूप थोड़ा बाद का है, लेकिन वास्तव में आपके पास एक सिर था। वह सिर कुछ हद तक उन सिरों से मिलता जुलता है जिन्हें आपने थुटमोस की सूची में देखा था, लेकिन आपके पास फिर से एक शाप होगा, और ये सभी सहायक हैं क्योंकि वे स्थानों को सूचीबद्ध कर रहे हैं।

इसीलिए वे मददगार हैं. हम इस समय भूगोल का अध्ययन कर रहे हैं। अमर्ना में पाए गए अभिलेख कई उदाहरणों में से एक हैं।

एएनईटी का मतलब प्राचीन निकट पूर्वी ग्रंथों से है, जो एक बहुत ही क्लासिक वॉल्यूम है जो इनमें से कई चीजों को एकत्रित करता है। वे वहां पृष्ठ संख्याएं हैं, लेकिन क्यूनिफॉर्म में यह विशेष स्थान, हेवरॉन या हेब्रोन का उल्लेख करता है। वे सभी हमारे लिए अत्यधिक उपयोगी हैं।

बस कुछ और अतिरिक्त बाइबिल पाठ, और मैं इन पर इसलिए ध्यान नहीं देता क्योंकि ये विशेष रूप से भौगोलिक हैं। आप उस सुनहरे वाक्य को उतना ही अच्छे से पढ़ सकते हैं जितना मैं पढ़ सकता हूँ, लेकिन वे वास्तव में उन भौगोलिक संदर्भों में बाइबिल की घटनाओं की पुष्टि करते हैं जिनमें वे घटनाएँ घटित हुई थीं। अश्शूर से, हमारे पास शल्मनेसर III है, जो मूल रूप से एक स्टेल, एक खड़ा पत्थर बनाने जा रहा है, जो बताता है कि उसने येहू पर कैसे विजय प्राप्त की और उसे श्रद्धांजलि अर्पित की।

वास्तव में येहू का शल्मनेसर के सामने झुकते हुए चित्रण है। आपमें से जो लोग ब्रिटिश संग्रहालय जाते हैं वे वास्तव में इसे वहां देख सकते हैं। ट्रांसजॉर्डन से, हमारे पास मेशा स्टेल नामक कुछ है, जो राजा मेशा से है।

दिलचस्प बात यह है कि उस नाम का उल्लेख किंग्स के रिकॉर्ड में मिलता है, इसलिए यह एक पुष्टि है। फिर, मैं बाद में टेल डैन शिलालेख के बारे में और भी बहुत कुछ कहने जा रहा हूँ। डैन, ठीक है, अगर आपको वह सूची, वह अभियान सूची, वह आक्रमण सूची याद है, तो डैन उन लोगों में से एक था, जो उत्तरी भाग में एक शहर है।

जैसा कि पता चला है, यह विशेष शिलालेख किसी ऐसे व्यक्ति का है जो सीरिया या अराम में शासन कर रहा था, और वह इस तथ्य के बारे में डींगें मार रहा है कि उसने एक उत्तरी राजा का सफाया कर दिया है, और यहां महत्वपूर्ण बात है, डेविड का घर। हम उस पर भी लौटेंगे। मेशा स्टेल की बस एक तस्वीर।

इसका एक दिलचस्प इतिहास है. यह 1800 के दशक में पाया गया था। अफसोस की बात है कि जहां यह पाया गया वहां रहने वाले लोगों को इसे ढूंढने आने वाले लोगों पर काफी संदेह था, और इसलिए उन्होंने इसे तोड़ दिया।

हमारे पास इसका एक प्रकार का प्लास्टर कास्ट है। यह अम्मान, जॉर्डन के संग्रहालय में है। आप वह देख सकते हैं।

यहां तेल दान शिलालेख की एक तस्वीर है, और फिर से, हत्या का उल्लेख है, और कोष्ठक में वे चीजें हैं, जहां हमें विराम मिला है, लेकिन जब आप एक नाम के अंतिम भाग को एक साथ रखते हैं, तो राम , इस्राएल के राजा का पुत्र, आप एक तरह का विचार प्राप्त कर सकते हैं कि यह संभवतः यहोराम है, और फिर यदि आपके पास दाऊद के घराने के राजा का पुत्र है, तो वह संभवतः अहज्याह है। अब, निःसंदेह, यह एक दिलचस्प संदर्भ है क्योंकि आपके पास सीरियाई राजा या अरामी राजा कह रहे हैं कि उन्होंने इन दोनों लोगों को मार डाला जैसा कि हम 2 राजा 9 और 10 में बाइबिल का पाठ पढ़ते हैं। यह येहू ही है जिसने उन्हें ऐसा किया है।

भूमि में बस कुछ अतिरिक्त स्रोत हैं। ओस्ट्राकॉन क्या है? अच्छा प्रश्न। यह मिट्टी के बर्तन का एक छोटा सा टुकड़ा है।

मिट्टी के बर्तन सर्वव्यापी हैं। टूटे हुए मिट्टी के बर्तन वहां और भी अधिक सर्वव्यापी हैं, लेकिन यह छोटे नोट्स लिखने के लिए बहुत अच्छे साबित होते हैं, और इसलिए आपके पास बर्तन, मिट्टी के बर्तनों के टूटे हुए टुकड़े होते हैं, जो कभी-कभी उन पर शिलालेखों के साथ पाए जाते हैं। मैं उन्हें पुरातनता के पोस्ट-इट नोट्स कहता हूं, अगर इससे आपको थोड़ी मदद मिलती है क्योंकि सामरिया नामक जगह से नोट बनाने के लिए यह कुछ छोटा है।

हम बाद में देखेंगे कि वह कहाँ है। कुछ ओस्ट्राका इस तरह दिखते हैं। खैर, और भी मिट्टी के बर्तनों के जार के हैंडल हैं।

जार का उपयोग सभी प्रकार की चीजों, तेल, गेहूं, आदि को लाने-ले जाने के लिए किया जाता है, और कभी-कभी इन जार के हैंडल पर शाही मुहर की छाप या सिर्फ सील की छाप होती है। हमारे पास लैकिश नामक जगह है, जिसे हम बाद में फिर से देखने जा रहे हैं, वहां मौजूद लोगों के कठिन समय के बारे में और अधिक ओस्ट्राका बात कर रहे हैं, और फिर अराद, उसी तरह की बात, उन लोगों से ओस्ट्राका जो उसका बचाव कर रहे थे नेगेव में स्थान. फिर, हम स्थानों के बारे में बाद में बात करेंगे।

प्रसिद्ध सिलोम शिलालेख उस स्थान पर पाया जाता है जिसे हम हिजकिय्याह की सुरंग कहते हैं। जब हम यरूशलेम के भूगोल के बारे में बात करते हैं तो हम हिजकिय्याह की सुरंग से निपटने जा रहे हैं, लेकिन यह वर्णन करता है कि इसे कैसे बनाया गया था, और निश्चित रूप से, यह एक बहुत ही प्रभावशाली प्रकार की चीज़ है। यहां उस ओस्ट्राकॉन का एक छोटा सा क्लोज़-अप है, और केवल आपके लिए यह देखने के लिए कि हिब्रू वर्णमाला, आपमें से जो लोग हिब्रू का अध्ययन कर रहे हैं, वे इसे जानते हैं।

यह पेलियो-हिब्रू है, और इस तरह यह उस वर्णमाला से मेल खाता है जिसे हम जानते हैं। यह काफ़ी दिलचस्प है क्योंकि उस ओस्ट्राकॉन पर वही दिव्य नाम है । खैर, हमने भूमि के माध्यम से

अपना रास्ता बना लिया है, ग्रंथों का एक सिंहावलोकन, ग्रंथों के प्रकारों का एक सिंहावलोकन, और अब स्थलाकृति या स्थान के नामों के अध्ययन पर एक बहुत ही त्वरित नज़र डालें।

यह एक तस्वीर है, यह कोई तस्वीर नहीं है, यह 1800 के दशक के सबसे प्रसिद्ध ऐतिहासिक भूगोलवेत्ताओं में से एक, एडवर्ड रॉबिन्सन का एक स्केच चित्रण है। इस भूमि के माध्यम से उनकी यात्राओं का वर्णन करने वाली तीन खंडों वाली कृति। यह एक आकर्षक वाचन था, लेकिन वह उन निडर लोगों में से थे, जिन्होंने 1800 और 1800 के दशक के मध्य में, स्थानों के नामों के अध्ययन के इस व्यवसाय को आगे बढ़ाया, और उन्हें बाइबिल पाठ के साथ मिलाया।

अब, यह कैसे काम करता है? खैर, हिब्रू में लिखे गए बाइबिल पाठ, जिसे हमने अभी कुछ समय पहले देखा था, में एक भाषाई निरंतरता है, क्योंकि वह 1800 के दशक में वहां था, अरबी बोली जा रही थी। वे एक ही भाषा परिवार हैं। ऐसे नाम हैं जो हिब्रू से अरबी तक बहुत हद तक एक जैसे हैं।

बाद में, हम इसके कुछ उदाहरणों से निपटेंगे। उस भाषा की निरंतरता में प्रतिबिंबित होने वाली निरंतरता के लिए, आपके पास जल स्रोत की निरंतरता होनी चाहिए, क्योंकि उस स्थान पर, आप जहां चाहें वहां अपना प्रतिष्ठान पार्क नहीं कर सकते हैं। आपको जल स्रोत के पास रहना होगा, चाहे वह झरना हो या खोदा जा सकने वाला कुआँ हो।

इसी तरह, चूंकि ये शहर सदियों से जारी रहे, इसलिए उन्हें यथोचित रूप से रक्षात्मक होना पड़ा। और इसलिए, चूंकि रॉबिन्सन और अन्य लोग इन्हें चारों ओर देख रहे थे, उन्होंने ऐसे गांवों की तलाश की जो वास्तव में झरनों के पास थे, खासकर पहाड़ी देश के क्षेत्र में। हम फिर देखेंगे कि यह सच क्यों है।

उन्होंने ऐसे शहरों की तलाश की, जिनका स्थान किसी प्रकार का रक्षात्मक हो, संभवतः उनके चारों ओर घाटियाँ हों या ऐसी कोई चीज़ हो। उन्होंने उन चीजों की भी तलाश की जो ग्रंथों में वर्णित भूगोल के अनुरूप हों। जैसे-जैसे हम अपने विशेष क्षेत्रीय अध्ययन के साथ आगे बढ़ेंगे, हम कुछ ऐसे तरीके देखेंगे जो काम करते हैं।

और फिर अंत में, जितना वे कर सकते थे, और यह पिछली सदी में और भी अधिक हो रहा है, देखें कि पुरातात्विक सर्वेक्षणों में किस तरह के डेटा हैं जो इन चीजों की पुष्टि करने में मदद करते हैं। भाषा के मुद्दों से निपटने के संदर्भ में बहुत सारे सिद्धांत हैं, जिन पर हम इस बिंदु पर चर्चा नहीं करेंगे। तो, वे तीन पुरातत्व विषय हैं जिन पर हम अगले व्याख्यान में चर्चा करेंगे।

यह पहले व्याख्यान, आने वाले पुरातत्व के वादे के साथ ऐतिहासिक भूगोल के सामान्य अनुशासन का परिचय, को समाप्त करता है।

यह बाइबिल अध्ययन के परिचय पर अपने शिक्षण में डॉ. एलेन फिलिप्स हैं। यह सत्र 1 है, ऐतिहासिक भूगोल का परिचय।